मध्य प्रदेश के सरगुजा और रायगढ़ जिलों में ईसाई मिशनरियों द्वारा चलायी जा रही संस्थाओं को प्राप्त हुई सहायता

1795. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के सरगुजा और रायगढ़ जिलों में ईसाई मिशनरियों द्वारा चलाये जा रहे अस्पतालों, सेवा केन्द्रों स्कूलों और छात्रावासों के लिए विदेशों से किस-किस मद में कितनी धनराशि नकदी में और दवाई तथा अन्य सामग्री आदि के रूप में आती है;

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान उक्त दोनों जिलों से कितने विदेशी ईसाई पादरियों को किन कारणों से देश छोड़ने के आदेश दिये गये; और

(ग) इन आदेशों का पालन करते हुए कितने पादरियों ने देश छोड़ा तथा कितने अभी भी देश में कार्यरत हैं ?

आन्तरिक सुरक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री अरुण नेहरू) : (क) वर्ष 1981 से 1984 के दौरान मध्य प्रदेश में सरगुजा और रायगढ़ जिले में ईसाई मिशनरियों द्वारा प्राप्त राशि, उनके द्वारा प्रस्तुत विवरणों के अनुसार, निम्न प्रकार से है।

वर्ष	नगदी (रु. लाखों में)	वस्तुओं में
1981	141.40	---
1982	145.62	---
1983	134.68	---
1984	147.93	92,000

(ख) और (ग) मध्य प्रदेश सरकार से प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त होने पर, मध्य प्रदेश के इन जिलों में छः विदेशी मिशनरियों के ठहरने के लिये आगे समय वृद्धि देने से इंकार किया गया था। कुछ अभ्यावेदन प्राप्त होने पर मध्य प्रदेश सरकार मामले में आगे जांच करना चाहती है। भारत सरकार, मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध से सहमत है।

Renaming of Andaman and Nicobar Islands as Shubash Dweep

1796. SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: WEI the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Andaman and Nicobar Islands were once named as Subhash Dweep;

(b) if so. the reasons for reverting to the old name for these Islands; and

(c) whether Government propose to consider to re-name these Islands as Subhash Dweep?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INTERNAL SECURITY (SHRI ARUN NEHRU): *(ay* and (b) No, Sir.

(c) There is no proposal under consideration of Government for re-naming these Islands as Subhash Dweep.

Follow-up action on the Report of the Committee Enquiring: into Foreign Policy Establishment

1797. SHRI BHUVNESH CHATUR VEDI: Will the Minister o£ EXTER NAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what follow-up action has been taken on the report of the Committee headed by Shri N. R. Pillai, which made enquiry into working of the foreign policy establishment; and

(b) whether the report had been accepted by Government?